५०१/२००

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी - ६ जून, २०१०)

(समय : सुबह ९:०० से ११:१५)

सत्संग परिचय - १

सूचना : प्रश्न के बाद में दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं । **कुल गुण : ७५**

विभाग-१ : सहजानंद चरित्र - प्रथम संस्करण, जनवरी - २००१

प्र.१ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''२५ गाँवों पर मेरा अधिकार है ।'' (१३६)

२. ''आपके ही आशीर्वाद से मैं राजपद भोग रहा हूँ ।'' (१५०)

३. ''संसार के सारे प्राणी आपके हाथ के इशारे पर नाचनेवाली पुतलियाँ हैं ।'' (१११)

प्र.२ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [६]

१. महाराजने गुणातीतानंद स्वामी को बुरानपुर जाने की आज्ञा दी । (७७)

२. गढ़डा में महाराज को रोकने का कोई भी बहाना जीवुबा एवं लाडुबा के पास न रहा । (३३)

३. शिक्षापत्री की आज्ञा का उल्लंघन नहीं करना चाहिए । (१४५)

प्र.३ 'अहमदाबाद में पुनः प्रवेश ।' (९८) **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

प्र.४ निम्नलिखित पश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । [५]

१. महाराज ने अपना वृत्तान्त किस दो व्यक्ति को लिख कर भेजा ? (१२६)

२. अक्षरधाम कितना दूर है ? (६४)

३. नित्यानंद स्वामी के रोते हुए देख कर महाराज ने क्या कहा ? (१५७)

४. किस महाराणी ने अपना सारा राज्य महाराज के चरणों में समर्पित किया ? (९२)

५. श्रीजीमहाराज ने विधवा स्त्रियों को क्या कहकर सामाजिक सम्मान किया ? (४१)

प्र.५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । [४]

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहि दिया जाएगा ।

१. धर्मकुल से मिलन (१२४)

(१) ☐ सुवासिनीभाभी हाज़िर नहीं थीं । (२) ☐ बत्तीस वर्ष के बाद परोसने का अवसर भाभी को मिला ।

(३) ☐ वरियालीबाई हाज़िर थीं । (४) ☐ गढ़डा में मिलन हुआ ।

२. शाकोत्सव (११०)

(१) ☐ शाकोत्सव लोया गाँव में हुआ । (२) ☐ शाकोत्सव मांगरोल गाँव में हुआ ।

(३) ☐ महाराज ने स्वयं शाक घीमें छोंक किया । (४) ☐ शाकोत्सव सूरा खाचर के दरबार में हुआ ।

प्र.६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । [४]

१. महाराज ने ..... साल तक सत्संग में विचरण किया । (१६३)

२. ..... के दिन महाराजने धोलेरा में मूर्ति प्रतिष्ठित की । (१४२)

३. श्रीजीमहाराज ने नर्क के कुण्ड खाली करने के लिए ..... को भेजा । (६)

४. महाराजने अहमदाबाद में मंदिर बनवाने के लिए ..... नामक जगह पसंद की । (११७)

विभाग-२ : सत्संग वाचनमाला भाग-२ - प्रथम संस्करण, जुलाई - २०००

प्र.७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । [९]

१. ''आज मुझे उनकी सेवा करने दो ।'' (२५)

२. ''श्रीजीमहाराज सर्वकर्ता हैं, संसारचक्र उनकी इच्छा से चलता है ।'' (३४)

३. ''उनको तो हमें साष्टांग दण्डवत् करना चाहिए ।'' (१४)

प्र.८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) [४]

१. शास्त्रीजी महाराज ने कमलनयन शास्त्री को जागा भक्त का परिचय बाद में करवाया । (६२)

२. कृष्णजी अदा ने हिमराजभाई से सदा के लिए सम्बन्ध तोड़ दिया । (६९)

प्र.९ 'आज्ञापालक जागा भक्त ।' (५६) - **प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक)** [५]

(पृष्ठ पलटिये)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किये गये पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर ''**सत्संग परिचय-१**'' परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, जो आपको विदित हो ।

दिनांक महीना साल

परीक्षार्थी का जन्म दिन :- ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षा दिनांक और परीक्षा का समय :

परीक्षार्थी के हस्ताक्षर :

सूचना : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सभी विगत भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को वापस कर दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा दे । (अपूर्ण विवरणवाली उपस्थिति स्लीपें मान्य नहि होंगी ।)

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **[४]**

१. महाराज के पूर्ण पुरुषोत्तम स्वरूप की बातें किस ने सुनी ? (१६)

२. नवाब ने खुदा को कैसा कहा ? (४)

३. शास्त्रीजी महाराज ने मूलजी ब्रह्मचारी की मूर्ति कहाँ स्थापित की ? (२९)

४. आचार्य अयोध्याप्रसादजी महाराज का जन्म कब हुआ था ? (संवत्, तिथि) (२७)

प्र.११ निम्नलिखित विषय के सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । **[६]**

विषय : नित्यानन्द स्वामी (५)

१. श्रीजीमहाराज ने कहा, 'उपासक में ऐसा गुण अवश्य होना चाहिए ।' **२.** श्रीजीमहाराज ने नित्यानन्द स्वामी से कहा, 'जिसमें तुम प्रसन्न रहो वही करुँगा ।' **३.** श्रीजीमहाराज ने नित्यानन्द स्वामी को दुराग्रही कहकर विमुख कर दिया । **४.** श्रीजीमहाराज परमहंसों के मत के विरुद्ध हो गये । **५.** नित्यानन्द स्वामी दस दिन तक सभा में नहीं आए । **६.** नित्यानन्द स्वामी अखंड ध्यान-भजन में लीन रहने लगे । **७.** हरिभक्तों में बड़ा मतभेद खडा हुआ । **८.** नित्यानन्द स्वामी ने श्रीजीमहाराज की पूजा करके हार पहनाया । **९.** नित्यानन्द स्वामी ने कहा, 'श्रीजीमहाराज को दूसरे अवतारों के समान कैसे कह सकते हैं ?' **१०.** नित्यानन्द स्वामी की विनोद की बातें सुनकर नवाब प्रसन्न हुए । **११.** गढ़डा में 'सत्संगिजीवन' ग्रंथ लिखा जा रहा था । **१२.** वरताल में 'सत्संगिजीवन' ग्रंथ लिखा जा रहा था ।

(१) केवल सही क्रमांक ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

(२) यथार्थ घटनाक्रम ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे। अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । **[४]**

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे । अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उदाहरण : विद्यावारिधि सद्गुरु श्री नित्यानन्द स्वामी : सन् १८७२ में मार्गशीर्ष शुक्ला नवमी की रात को नित्यानन्द स्वामी ने अहमदाबाद में आचार्यश्री अयोध्याप्रसादजी महाराज, गुणातीतानन्द स्वामी, परमचैत्यानन्द स्वामी, कृपानन्दजी के दर्शन करते करते कारण देह का त्याग किया ।

उत्तर : विद्यावारिधि सद्गुरु श्री नित्यानन्द स्वामी : सवंत् १९०८ मार्गशीर्ष शुक्ला **अष्टमी** के **दिन** नित्यानन्द स्वामी ने आचार्यश्री **रघुवीरजी महाराज**, **गोपालानन्द स्वामी**, **शुकमुनि**, **शून्यातीतानंदजी** आदि सन्तों के **देखते - देखते** उन्होंने अपनी **नश्वर** देह **वरताल** में छोड़ दी ।

१. **भक्तराज दादाखाचर :** गढ़पुर में घेला नदी के कांठे में टीले के उपर मन्दिर बनवाने का संकल्प दादा खाचर ने किया । (४२)

२. **प्रेमसखी प्रेमानंद स्वामी :** ग्वालियर के नवाब ने जूनागढ़ के गवैये से कहा, 'स्वामिनारायण के साधु प्रेमानन्द का संगीत सुनने के पश्चात् और किसी का संगीत सुनने का मन नहीं होता ।' (१६)

३. **श्री अयोध्याप्रसादजी महाराज :** वरताल के आदि आचार्य श्री अयोध्याप्रसादजी महाराज के पिता इच्छारामभाई थे । (३२)

४. **स्वामी जागा भक्त :** प्रागजी भक्त वचनसिद्ध योगी है और उन्होंने कहा है तो योगीपुरुष जैसे पुत्र अवश्य होंगे, मैं सचमुच प्राप्त करुँगा, किन्तु इन हरिभक्तों-पार्षदों के सामने तुम्हारी कुछ चलती नहीं है । (६१)

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । **[१०]**

१. पूजाविधि : बी.ए.पी.एस. संस्था की चेतना ज्योत । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) अप्रैल - २००७, पा. नं. १४ - १५)

२. तपयज्ञ का विशिष्ट पर्व : चातुर्मास । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) अगस्त - २००८, पा. नं. १४ से १८)

३. आगवी और त्वरित निर्णयशक्ति : शास्त्रीजी महाराज । (स्वामिनारायण प्रकाश (गुजराती) फरवरी - २००९, पा. नं. १८)

❋ ❋ ❋

सूचना : इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ४ जुलाई, २०१० के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाएँगे । अभ्यास क्रम में सामिल पुस्तक की अंतिम संस्करण का ही उपयोग करें । मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।